Regarding issues of Post Office in Rajnandgaon

श्री संतोष पान्डेय (राजनंदगाँव) : माननीय सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने शून्यकाल के तहत मुझे बोलने का अवसर दिया। संयोग और सौभाग्य से इस शून्यकाल में सम्माननीय मंत्री महोदय श्री अश्विनी वैष्णव जी भी उपस्थित हैं। उनसे संबंधित ही मेरा यह प्रश्न है।

महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र राजनंदगाँव में डाक विभाग का उप-संभाग है**,** किंतु संभागीय कार्यालय अन्यत्र जिला दुर्ग-भिलाई में होने के कारण राजनांदगाँव जिले सहित पास लगे हुए अन्य जिले व लोक सभा क्षेत्र के नागरिक एवं कर्मचारी डाक विभाग से संबंधित कार्य हेतु दुर्ग-भिलाई पर निर्भर रहते हैं।

महोदय, डाक संभाग कार्यालय दूरस्थ होने के कारण आम जनता का समय और आवागमन में पैसा दोनों बर्बाद होता है।

महोदय, मैं अवगत कराना चाहता हूँ कि गत दिनों मेरे संसदीय क्षेत्र के जिलों की संख्या 4 हो गई है, जिसमें एक जिला तो पूर्णतया आदिवासी है और दूसरे जिले बहुत दूर-दूर हैं।

महोदय, राजनंदगाँव उपसंभाग अंतर्गत वर्तमान में जिला कबीरधाम, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, जिला मोहला-मानपुर-चौकी, जो कि पूर्णतया आदिवासी जिला भी है, विकासखंड डोंगरगढ़ व डोंगरगांव, उपसंभाग के रूप में यह कार्यरत है। उक्त सभी उपसंभागों की दूरी राजनांदगांव जिला मुख्यालय से समीप है, किन्तु वर्तमान में संभागीय कार्यालय की औसत दूरी सभी जिलों से 120 किलोमीटर है।

महोदय, मैं निवेदन करता हूँ कि उक्त उपसंभागों को जोड़कर राजनांदगांव को पूर्ण संभाग का दर्जा देने की कृपा करेंगे। संभाग बन जाने से डाक विभाग से संबंधित समस्त कार्य राजनांदगांव में होने लगेगा तथा सम्पूर्ण कार्य में अनावश्यक विलंब ना होकर कार्य त्वरित गति से होगा।

महोदय, सम्माननीय अश्विनी वैष्णव जी भी यहाँ उपस्थित हैं। मैं निवेदन करता हूँ कि वे मेरा निवेदन स्वीकार करें।